

मुक्त कंठ वि. (तत्.) 1. चिल्लाकर बोलने वाला
2. स्पष्ट वाणी बोलने वाला 3. बेधड़क या
निःसंकोच बोलने वाला।

मुक्तक पुं. (तत्.) अस्त्र, हथियार 1. काव्य का
एक प्रकार काव्य. 2. समवर्णिक छंद का एक
रूप जो गणों एवं यति के बंधन से मुक्त होता
है तथा जिसमें नियम का बंधन भी नहीं होता।
मुक्तक काव्य की एक शैली भी मानी जाती है
जिसमें विषय, कथा या क्रम का बंधन नहीं
होता।

मुक्तक ऋण पुं. (तत्.) ऋण का वह प्रकार
जिसमें किसी प्रकार की लिखत-पढ़त न हो,
बातचीत में ही दिया गया ऋण या उधार।

मुक्त-कच्छ वि. (तत्.) 1. जिसका काछ खुला हो
2. लुंगी पहनने वाला, बौद्ध संन्यासी।

मुक्त कुंतला वि. (तत्.) बिखरे या खुले केशों
वाली।

मुक्त-चंदन पुं. (तत्.) लाल चंदन।

मुक्त-चक्षु वि. (तत्.) जिसका मन या चित्त
संसार की आसक्ति से एवं सामरिकता से मुक्त
हो, जिसकी आत्मा भव-बंधन से मुक्त हो चुकी
हो।

मुक्त-चेता वि. (तत्.) जिसकी आँखें खुली हो।

मुक्त छंद पुं. (तत्.) काव्य. छंद के बंधन एवं
नियमों से रहित कविता। इस छंद में वर्ण या
मात्रा से संबंधित नियम तो नहीं होता किंतु लय
एव ताल का ध्यान रखा जाता है लाक्ष. रबड़
छंद या केंचुआ छंद free verse, blank verse

मुक्त निर्मोक्त पुं. (तत्.) वह सर्प जिसने कुछ
समय पहले ही केंचुल छोड़ी हो।

मुक्त-पद-ग्राह्य पुं. (तत्.) काव्य. यमक अलंकार
का सिंहावलोकन नामक प्रकार या भेद दे.
सिंहावलोकन।

मुक्त पुरुष पुं. (तत्.) ऐसा पुरुष जिसने मोक्ष पा
लिया हो या जो मोक्ष को प्राप्त हो।

मुक्त बंधना स्त्री. (तत्.) 1. मोतिया नामक पुष्प
का एक प्रकार 2. बेला।

मुक्त-वसन वि. (तत्.) निर्वस्त्र या बिना वस्त्र
पहने पुं. दिगंबर जैन।

मुक्त-वाणिज्य पुं. (तत्.) अर्थ. दे. मुक्त व्यापार।

मुक्त वेणी वि. (तत्.) जिसकी वेणी बँधी न हो
स्त्री. द्रोपदी।

मुक्त-व्यापार वि. (तत्.) जो सांसारिक कार्यों से
रहित हो, संसार को त्यागने वाला पुं. आधुनिक
राजनीति में व्यापार करने की वह व्यवस्था
जिसमें विदेशों में होने वाले आयात-निर्यात आदि
पर कोई विशेष बंधन न लगाया जाता हो।

मुक्त शृंग पुं. (तत्.) रोहू नामक मछली की
प्रजाति।

मुक्त संग वि. (तत्.) जो समस्त विषय- वासनाओं
से मुक्त हो पुं. परिव्राजक।

मुक्त-सार पुं. (तत्.) केले का पेड़।

मुक्त-हस्त वि. (तत्.) 1. उदारता के कारण जो
अधिक मात्रा में खुले मन से दान देता हो 2.
खुले हाथों देने वाला या खर्चा करने वाला।

मुक्तांशक पुं. (तत्.) प्राचीन भारत में प्रसिद्ध एक
विशेष प्रकार का कपड़ा जिसमें मोतियों की
झालर या मोती जड़े होते हैं।

मुक्ता स्त्री. (तत्.) 1. मोती 2. रासना 3. वेश्या।

मुक्तागार पुं. (तत्.) सीप।

मुक्तात्मा वि. (तत्.) 1. जो सांसारिक बंधनों से या
आसक्तियों से मुक्त हो गया हो 2. जिसने मोक्ष
प्राप्त कर लिया हो।

मुक्तादाम पुं. (तत्.) मोतियों की लड़ी या पंक्ति।

मुक्ता-पुष्प पुं. (तत्.) कुंद नामक फूल और पौधा।

मुक्ता-प्रसू पुं. (तत्.) सीप।

मुक्ता-फल पुं. (तत्.) 1. मोती 2. कर्पूर 3. लवनी
फल।